MAHD-05

June - Examination 2018

MA (Final) Hindi Examination

नाटक और कथेतर गद्य विधाएँ

Paper - MAHD-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तर वाले प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) नाटक में निर्देशक की भूमिका केन्द्रीय होती है। स्पष्ट करें।

(ii) हिन्दी के दो गीतिनाट्यों का उल्लेख करें।

(iii) मोहन राकेश के यात्रा वृत्तांन्त का नाम लिखिए।

(iv) 'अशोक के फूल' निबंध की मूल विशेषता लिखिए।

(v) प्रसादजी के नाटक इतिहास को जीते हुए वर्तमानता को प्रकाशित करते हैं? स्पष्ट कीजिए।

(vi) आत्मकथा से आप क्या समझते हैं?

(vii) 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबंध किसका है? तथा इसके कथानक पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

(viii) 'विशाख' नाटक का कथानक कहाँ से लिया गया है?

(खण्ड – ब) $4 \times 8 = 32$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

लेकिन शेष मेरा दायित्व लेंगे
बाकी सभी .....
मेरा दायित्व वह स्थित रहेगा
हर मानव–मन के उस वृत्त में
जिसके सहारे वह
सभी परिस्थितियों का अतिक्रमण करते हुए
नूतन निर्माण करेगा पिछले वंशों पर।
मर्यादायुक्त आचरण में नितनूतन सृजन में
निर्भयता के
साहस के
ममता के
रस के
क्षण में
जीवित और सक्रिय हो उठूँगा मैं बार–बार।

3) सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

लोक में फैली दुःख की छाया हटाने में ब्रह्म की आनंद कला जो शक्तिमय रूप धारण करती है, उसकी भीषणता में भी अद्‌भुत मनोहरता, कटुता में भी अपूर्व मधुरता, प्रचंण्डता में भी गहरी आर्द्रता साथ लगी रहती है। विरुद्धों का यहीं सामंजस्य कर्मक्षेत्र का सौन्दर्य है जिसकी ओर आकर्षित हुए बिना मनुष्य का हृदय नहीं रह सकता। इस सामंजस्य का और कई रूपों में भी दर्शन होता है। भीषणता और सरलता, कोमलता और कठोरता, कटुता और मधुरता, प्रचण्डता और मृदुता का सामंजस्य ही लोक धर्म का सौन्दर्य है।

4) सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

भाभी को तो सफेद ओढ़ने और काला ओढ़नी और सफेद बूटीदार कत्थई लहंगा पहने हुए ही मैंने देखा था। पर उसकी ननद के लिए हर तीज त्यौहार पर बड़े सुन्दर रंगीन कपड़े बनते थे। कुछ भाभी की बटोरी हुई कतरन से और कुछ अपने घर से लाये हुए कपड़ों से गुड़ियों का लज्जा–निवारण का सुचारु प्रबंध किया जाता था। भाभी घाघरा, काँचली आदि अनेक वस्त्र सीना जानती थी, अतः मेरी गुड़िया मारवाड़िन की तरह श्रृंगार करती थी। मैंने स्कूल में ढ़ीला पायजामा और घर में कलीदार कुरता सीना सीखा था, अतः गुड्डा पूरा लाला जान पड़ता था। चौकोर कपड़े टुकड़े के बीच छेद करके वहीं बच्चों के गले डाल दिया जाता था, अतः वे किसी आदिम युग के संतान लगते थे।''

5) मोहन राकेश के नाटक 'आधे–अधूरे' में मध्यवर्गीय पारिवारिक जीवन के घुटन – अवसाद व टूटन को अभिव्यक्त करते हुए आधुनिक जीवन की विसंगतियों पर प्रकाश डाला गया है। स्पष्ट कीजिए।

6) रंगमंच पर 'अभिनेता' और निर्देशक की उपस्थिति व उपलब्धि पर एक टिप्पणी लिखिए।

7) कथेतर गद्य की संरचना में 'जीवनी' और 'संस्मरण' के ऊपर एक सारगर्भित आलेख लिखिए।

8) निबंध को परिभाषित करते हुए आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंधों की विशेषता को निरूपित कीजिए।

9) अंधायुग पर टिप्पणी लिखिए।

(खण्ड – स) **$2 \times 16 = 32$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप को अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) नाटक और रंगमंच के अन्तर्सबंध पर एक सारगर्भित लेख लिखते हुए स्पष्ट कीजिए कि रंगमंच के बिना नाटक का विकास अधूरा है।

11) जयशंकर प्रसाद के नाटक 'चंद्रगुप्त' में इतिहास की पृष्ठभूमि से राष्ट्रीय चेतना व स्वतंत्रता की मनोभूमि को अभिव्यक्त किया गया है। स्पष्ट कीजिए।

12) निर्मल वर्मा के यात्रा वृत्तान्त 'चीड़ों की चाँदनी' पर प्रकाश डालते हुए निर्मल वर्मा के लेखन की विशेषता को निरूपित कीजिए।

13) कथेतर गद्य–मानव सभ्यता की विकास कथा को अपने अन्दर बहुत गहराई से समेटे हुए है। इस प्रसंग में जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण और रिपोतार्ज पर प्रकाश डालिए।